बर्षः- 06
अंकः- 89
मुरादाबाद
(Sunday)
19 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अमरोहा में योगीः माफिया को मिट्टी में मिला चुके..जेल या जहन्नुम में जगह, पहले रामपुर- सैफई का सिंडिकेट सक्रिय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा में विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और जिले की प्रसिद्ध ढोलक के बारे में जानकारी ली। उन्होंने 207.49 करोड़ रुपये की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार दोपहर अमरोहा पहुंचे। हाईवे स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और जिले की प्रसिद्ध ढोलक के निर्माण व उसकी विशेषताओं की जानकारी ली। कार्यक्रम स्थल पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने जनसभा के दौरान जिले की 207.49 करोड़ रुपये की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें अमरोहा विधानसभा क्षेत्र की 104.35 करोड़ रुपये की 25 परियोजनाएं और धनौरा विधानसभा क्षेत्र की 103.13 करोड़ रुपये की 18 परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं से सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, ग्रामोद्योग रोजगार योजना, स्वयं सहायता समूह, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और किसान ड्रोन अनुदान योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र, चेक और अन्य सहायता प्रदान की गई।अमरोहा अब पिछड़ा जिला नहीं, विकास के नए प्रतिमान स्थापित करेगा = मुख्यमंत्री योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह जनपद महाभारत कालीन पावन तीर्थ तिगरी धाम और वासुदेव तीर्थ की ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए है। उन्होंने अमरोहा की धरती को नमन करते हुए कहा कि यहां के लोगों ने अपनी कारीगरी और हस्तशिल्प से दुनिया में अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरोहा का तबला और ढोलक एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत अपनी खास पहचान बना चुके हैं। यहां के किसान आम की फसल को देश और विदेश के बाजारों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य गंगा नहर परियोजना पूरी होने की ओर है और गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण से अमरोहा से दिल्ली, लखनऊ और प्रयागराज की दूरी काफी आसान हो गई है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार हरिद्वार तक आवागमन को और सुगम बनाने के लिए भी काम कर रही है। उन्होंने प्रशासन को किसानों को उनकी जमीन का उचित मूल्य दिलाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि अमरोहा अब पिछड़े जिले की पहचान से बाहर निकल चुका है। जिस तरह यहां के तबले और ढोलक ने दुनिया में अमरोहा का नाम रोशन किया है, उसी तरह यह जनपद विकास के नए प्रतिमान स्थापित करते हुए अपनी नई पहचान बनाएगा। 2017 से पहले विकास और औद्योगिक निवेश की कल्पना भी नहीं थी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अमरोहा अब विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि क्या वर्ष 2017 से पहले इस तरह का विकास और औद्योगिक निवेश संभव था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में गन्ना किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिल पाता था और वर्ष 2007 से 2017 के बीच प्रदेश की 29 चीनी मिलें बंद कर दी गई थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो उत्तर प्रदेश का पूरा चीनी उद्योग बंद हो सकता था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में डबल इंजन की सरकार प्रदेश में 122 चीनी मिलों का संचालन कर रही है। अब तक गन्ना किसानों को 3.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। पहले गन्ने का मूल्य 300 रुपये प्रति क्विंटल था, जिसे बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक गन्ना, चीनी और एथेनॉल उत्पादन करने वाला राज्य बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिससे आने वाले 50 से 100 वर्षों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का नौजवान बेरोजगार नहीं रहेगा और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित होगी। वर्ष 2017 में शुरू हुई विकास यात्रा के परिणामस्वरूप आज अमरोहा और पूरे प्रदेश में सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि का वातावरण दिखाई दे रहा है। आस्था का सम्मान और विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्रदेश में धार्मिक आयोजनों और आस्था से जुड़े कार्यक्रमों पर कई तरह की पाबंदियां लगाई जाती थीं। जन्माष्टमी, कांवड़ यात्रा, रामनवमी की शोभायात्रा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजनों में बाधाएं उत्पन्न होती थीं, लेकिन वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि अब कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी और तिगरी मेले के आयोजन पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। सरकार श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही है और हर स्तर पर उनकी आस्था का सम्मान करते हुए सहयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं तिगरी मेले की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए यहां आए थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में तेजी से आधारभूत ढांचे का विकास किया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं न सिर्फ यातायात को आसान बनाएंगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति देंगी। उन्होंने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर से विकास की रफ्तार बढ़ती है और आर्थिक समृद्धि के नए अवसर पैदा होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का विशेष फोकस गंगा एक्सप्रेसवे से अमरोहा को जोड़ने पर रहा है। इसका लाभ अब जिले को मिलने लगा है और अमरोहा विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है, लेकिन इसके लिए सही सोच, स्पष्ट नीति और ईमानदार नीयत की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि जब नीति और नीयत ठीक नहीं होती तो विकास संभव नहीं हो पाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के लगभग हर जिले में दंगे होते थे और आम लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते थे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं-जेल या जहन्नुम। इसके अलावा उनके लिए कोई तीसरी जगह नहीं होगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की सख्त नीतियों के कारण आज प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और हर बेटी तथा व्यापारी खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का माहौल बनने से सुशासन को बढ़ावा मिला है और प्रदेश में निवेश के साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं। जले के युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उत्तर प्रदेश सरकार की किसी विभाग में भर्ती होती है और नियुक्ति पत्र वितरित किए जाते हैं, तब अमरोहा और धनौरा के युवाओं को भी इसका लाभ मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कुछ खास क्षेत्रों के सिंडिकेट सरकारी भर्तियों में हावी रहते थे और युवाओं के अधिकारों पर डाका डालते थे। उन्होंने कहा कि पहले रामपुर और सैफई के सिंडिकेट नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते थे, लेकिन अब कोई आपके हक पर डकैती नहीं डाल सकता, क्योंकि प्रदेश में आपकी अपनी सरकार है। कहा कि उनकी सरकार ने वर्ष 2017 में सत्ता में आने के बाद कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने दोहराया कि बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं-जेल या जहन्नुम। मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया को मिट्टी में मिला दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले अपराध और आतंक का वातावरण था, लेकिन डबल इंजन सरकार बनने के बाद कानून का राज स्थापित हुआ है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे ने जिले के विकास को नई रफ्तार दी = योगी- योगी ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे ने जिले के विकास को नई रफ्तार दी है। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोगों को लगता था कि दिल्ली बहुत दूर है, लेकिन अब अमरोहा से दिल्ली की दूरी महज दो घंटे में पूरी की जा सकती है। इससे जिले के आम उत्पादकों और कारोबारियों को बड़ा फायदा होगा और वे अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक आसानी से पहुंचा सकेंगे। कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के कई जिलों में दंगे होते थे और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा से सुशासन आता है और सुशासन से समृद्धि का रास्ता खुलता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान लोगों में अपराधियों और माफिया का भय था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार बनने के बाद अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की गई। आज कानून का राज स्थापित हुआ है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है।डबल इंजन सरकार में योजनाओं का पूरा पैसा गरीबों तक पहुंच रहा मुख्यमंत्री योगी ने पूर्व क्रिकेटर रहे चेतन चौहान को याद भी याद किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। किसी को आवास मिला है, किसी को कृषि उपकरण, किसी को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और नंदिनी योजना का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पहले केंद्र से भेजे गए 100 रुपये में से केवल एक रुपये ही जरूरतमंदों तक पहुंचते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भेजी गई पूरी राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही है।

संक्षिप्त समाचार

लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह से मिले कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, 2027 के चुनाव पर किया मंथन

यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी दल, एकजुटता, सीट साझेदारी, संयुक्त आंदोलन और चुनावी रणनीति पर मंथन कर रहे हैं।उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन की गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं। इसी क्रम में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के साथ तरुण पटेल किसान नेता कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश ने लखनऊ स्थित लोकदल के केंद्रीय कार्यालय एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय तक चली बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति, इंडिया गठबंधन की मजबूती, विपक्षी दलों के बीच बेहतर समन्वय, संभावित सीट साझेदारी तथा जनहित के मुद्दों पर साझा संघर्ष को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर विपक्ष की साझा रणनीति पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया गया।लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश की दिशा और दशा तय करने वाला चुनाव होगा। जनता बदलाव चाहती है

भूख हड़ताल कर रहे अभिजीत दीपके पर फेंकी गई स्याही, जंतर-मंतर पर हुआ बवाल, आरोपी महिला हिरासत में

शनिवार सुबह जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस अपने साथ अस्पताल ले गई। जिसके बाद अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। अभिजीत दीपके आज से भूख हड़ताल पर बैठ गए। अभिजीत का दावा है कि उनके साथ मारपीट की गई, वह पुलिस की गिरफ्त से भाग कर जंतर मंतर पहुंचे।अभिजीत दीपके का कहना है कि 20 जुलाई को संसद चलो अभियान होकर रहेगा। उन्होंने लोगों से हर राज्य में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की। वहीं, अभिजीत दीपके पर स्याही फेंकने का मामला सामने आया है। एक महिला ने अभिजीत पर स्याही फेंकी। दिल्ली पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। बता दें कि शनिवार सुबह जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस अपने साथ अस्पताल ले गई। जिसके बाद जानकारी आई कि सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अस्पताल ने अपने बयान में कहा कि वांगचुक को आवश्यक चिकित्सा देखभाल के लिए भर्ती किया गया है। अस्पताल ने बताया है कि लंबे समय तक उपवास और डिहाइड्रेशन के कारण वे काफी कमजोर हो गए हैं। हालांकि उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन शरीर के जरूरी स्वास्थ्य मानकों को सामान्य करने के लिए उन्हें लगातार निगरानी, जांच और उपचार की आवश्यकता है।अब हम पीएम नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करेंगे अभिजीत दीपके कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने कहा, %अगर उन्हें लगता है कि सोनम सर को ले जाने से यह आंदोलन खत्म हो जाएगा, तो वे गलतफहमी में हैं। हम यहीं रहेंगे और 20 जुलाई को संसद तक मार्च करेंगे।% उन्होंने आगे कहा, %अब तक हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे, लेकिन इस घृणित कृत्य के बाद अब हम पीएम नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करेंगे।पुलिस ने मेरे साथ मारपीट की= अभिजीत दीपके- अभिजीत दीपके ने कहा, सुबह सात बजे जब मैं फ्रेश होने के लिए यहां से निकला, तो पुलिस के गुंडे वहां आए। वे सोनम सर को गालियां देते हुए घसीटकर लेकर गए। 60 साल का एक व्यक्ति, जो 20 दिनों से भूख हड़ताल पर था उन्हें दिल्ली पुलिस जबरदस्ती घसीटकर यहां से लेकर गई। अपराधी हूं? मुझे इन लोगों ने सड़कों पर मारा। सोनम वांगचुक को लेकर दिल्ली पुलिस का बयान- डीसीपी नई दिल्ली ने ट्वीट करते हुए लिखा, माननीय हाई कोर्ट के आदेश और मेडिकल एक्सपर्ट्स की सलाह के अनुसार, सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को देखते हुए उन्हें जरूरी मेडिकल देखभाल के लिए अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। पुलिस ने बहुत संयम बरता और यह काम सुरक्षित तरीके से किया। हम जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से अपील करते हैं कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्ण तरीके से जगह खाली कर दें। नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने कहा, %माननीय हाई कोर्ट के आदेशानुसार और स्वास्थ्य की स्थिति व मेडिकल सलाह के अनुसार सोनम वांगचुक को जरूरी मेडिकल इलाज के लिए यहा से एक उपयुक्त सरकारी अस्पताल में ले जाया गया है और वे अभी मेडिकल निगरानी में हैं। सोनम वांगचुक की पत्नी ने दी चेतावनी- सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि मेरी और मेरे डॉक्टर की सहमति के बिना सोनम वांगचुक को कोई दवा नहीं दी जानी चाहिए। अंग्मो ने कहा, वह सफदरजंग अस्पताल में हैं। मैंने उन्हें मेरी मंजूरी के बिना कुछ भी देने से मना किया है। मेरी मंजूरी के बिना कोई इलाज शुरू नहीं होना चाहिए। अगर कुछ भी होता है, तो मैं सभी को जिम्मेदार ठहराऊंगी। उन्होंने कहा, कल वह बिल्कुल ठीक थे। उन्हें अस्पताल लाने की कोई जरूरत नहीं थी। अनुच्छेद 32 के तहत यह मेरा अधिकार है। मेरी और मेरे डॉक्टर की सहमति के बिना कुछ भी नहीं दिया जा सकता। समदरजंग में क्यों एडमिट करवाए गए वांगचुक?- सूत्रों के मुताबिक, सोनम वांगचुक के इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल में 2 डॉक्टर और 2 पैरामेडिक्स स्टाफ को तैनात किया गया है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आज सुबह आरएमएल अस्पताल के डॉक्टर और पैरामेडिक्स स्टाफ की टीम ने सोनम वांगचुक का हेल्थ चेकअप किया था।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी शर्मनाक, आप सांसद संजय सिंह बोले- संसद मार्च से डरी मोदी सरकार

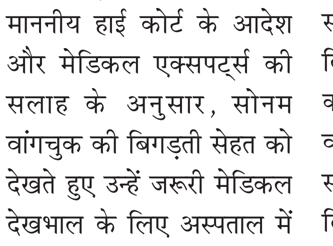

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि 21 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम को सुनने के बजाय जबरन गिरफ़्तार करना लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि संसद मार्च के डर से घबराए प्रधानमंत्री ने दिल्ली का पुलिस कमिश्नर बदल दिया है।आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सांसद संजय सिंह ने सोनम वांगचुक के शांतिपूर्ण अनशन पर हुई पुलिसिया कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। मोदी सत्ता के अहंकार में इतने अंधे हो गए हैं कि उन्हें युवाओं के बर्बाद होते भविष्य और एक अनशनकारी की जान की कोई परवाह नहीं है। संजय सिंह ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी है कि जिस युवा शक्ति का आज दमन किया जा रहा है, वही आने वाले समय में भाजपा की सत्ता के पतन का मुख्य कारण बनेगी। संजय सिंह ने कहा कि 59 वर्षीय सोनम वांगचुक पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर थे। वह अपनी ज़िंदगी दांव पर लगाकर उन करोड़ों युवाओं की आवाज उठा रहे थे जिनका भविष्य 93 पेपर लीक की घटनाओं ने पूरी तरह बर्बाद कर दिया है। विडंबना यह है कि 21 दिन बीत जाने के बाद भी देश के प्रधानमंत्री ने उनसे बात करना तो दूर, अनशन खत्म करने की अपील तक करना जरूरी नहीं समझा। सरकार का कोई प्रतिनिधि यह पूछने तक नहीं आया कि आप अपनी जान देने पर क्यों आमादा हैं।संजय सिंह ने कहा कि आज अचानक भारी पुलिस बल ने जंतर-मंतर को चारों तरफ से घेर लिया और वहां मौजूद नौजवानों पर बर्बरता से लाठीचार्ज किया गया। सोनम वांगचुक को उनके अनशन स्थल से जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार भी छीन लिया गया है? यह पूरी तरह से गुंडागर्दी है और सत्ता का दुरुपयोग है।

संपादकीय Editorial

Delhi Riots Convicts

It is also essential that other cases related to these riots be resolved as quickly as possible to send a strong message to the perpetrators and their sympathizers.

Tahir Hussain was convicted in the Ankit Sharma murder case. Those who provided political patronage and protection have been exposed. Other Delhi riot cases should be resolved quickly.

In a major case related to the horrific 2020 Delhi riots, the conviction of Tahir Hussain, a former Aam Aadmi Party councilor, and four others for the murder of Intelligence Bureau employee Ankit Sharma also indicates the involvement of political leaders in these riots.

It has already been established that leaders like Tahir Hussain enjoyed political patronage. It is a fact that when his name surfaced in the murder of Ankit Sharma, leaders from other parties, including the Aam Aadmi Party, defended him. Many other well-known individuals were also among those who defended him. Tahir Hussain's conviction has exposed all these. These people should explain the basis on which they were certifying Tahir Hussain's innocence, as the court that convicted him has made it clear that the verdict was based on solid evidence.

It is ironic that some leaders are still shedding tears for Tahir Hussain. It should also not be forgotten that Asaduddin Owaisi fielded him in the Delhi Assembly elections. It should also not be forgotten that the Delhi riots took place under the guise of opposing the Citizenship Amendment Act, which, when implemented, elicited no protest. All those leaders who misled the nation about this law, leading to the horrific violence in Delhi, should be ashamed. More than 50 people were killed in the Delhi riots and it erupted while US President Donald Trump was visiting India.

There are good reasons to conclude that the conspiracy to incite riots in Delhi during Trump's presence was also hatched to tarnish India's image internationally. It would be appropriate to punish Tahir Hussain and other killers of Ankit Sharma with severe punishment, while also exposing those who incited the capital to riot to bring disrepute to the country.

It is also essential that other cases related to these riots be resolved as quickly as possible to send a strong message to the perpetrators and their sympathizers. Many serious cases related to the Delhi riots remain to be resolved.

A system for speedy justice in such cases must be established, as this is the only way to teach the perpetrators a lesson. We cannot be satisfied that a verdict has been delivered in a major case related to the Delhi riots, as it is difficult to say when the higher courts will fulfill their duty.

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Shri Krishna Temple Kar Seva

The Akhil Bharatiya Akhara Parishad will conduct a Kar Seva in support of the Shri Krishna Janmabhoomi Temple in Mathura on August 9th. The Akhara Parishad is a religious organization representing over 5 million saints and sages. The Parishad primarily comprises 13 Akharas, including seven Shaivite, three Vaishnavite, and three Udasin Akharas. All of them are adherents of Sanatan Dharma and believers. Therefore, they have announced a Kar Seva for the Shri Krishna Temple, modeled after the Ram Temple movement in Ayodhya. The Shri Krishna Temple Kar Seva is not aimed at demolishing the dome of the disputed structure (the so-called Babri Masjid) in Ayodhya. Sadhus, saints, and devotees will march on foot from Delhi to Mathura and perform bhajans, kirtans, Chalisa recitations, and prayers outside the Shri Krishna Temple complex. Lord Krishna will be offered Makhan-Mishri (sweet and sugar candy). Although no call has been made for any kind of vandalism or kar seva, if religious sentiments of any party are aroused or an atmosphere of frenzy develops, it will be difficult to control it. Emotions flare spontaneously, so it is not yet certain to what extent the police will grant permission or request the postponement of the kar seva. However, Uttar Pradesh is governed by religious Yogi, who is also a supporter of the Shri Krishna movement, so it seems unlikely that the kar seva will be disrupted. However, the kar seva is being organized at a time when the Supreme Court is attempting to resolve and settle highly sensitive disputes such as the Kashi Vishwanath versus Gyanvapi Mosque, the Shri Krishna Temple versus the Idgah Mosque in Mathura, and the Hari Mandir versus the Jama Masjid in Sambhal through a special Lok Adalat, through mutual consent between the Hindu and Muslim parties. The Lok Adalat will hear arguments from both sides on August 21, 22, and 23, and then determine points of agreement. A similar judicial effort failed on July 4th, when the Muslim side failed to appear in the Varanasi dispute. However, both parties support the Supreme Court's final decision, so that the judicial conclusion cannot be legally questioned. The Ram Temple verdict was also delivered by the Supreme Court's Constitution Bench. Even today, 18 petitions related to such communal and religious disputes are pending in the courts. The Supreme Court referred only seven petitions to the Lok Adalat. However, the decision to conduct the Kar Seva at the Sri Krishna Temple in Mathura has been taken even though the Uttar Pradesh Assembly elections are scheduled for a few months (likely in April 2027). Ayodhya, Kashi, and Mathura have been priorities on the agendas of the RSS, VHP, and BJP, but all three are currently silent on the Kar Seva announced by the Akhara Parishad. There is neither support nor opposition to the Kar Seva! Mathura and Vrindavan are the birthplace of Lord Krishna and the site of his childhood pastimes. This can be seen and read in the Puranas, Upanishads, and ancient religious texts. The Sri Krishna Temple is said to be 5,000 years old. We cannot confirm this, as we have no documentary evidence. However, most historians consider Vrindavan, Mathura, to be the birthplace of Sri Krishna. The Lord's incarnation took place in the prison of Kansa, where his biological father, Vasudeva, and mother, Devaki, were imprisoned. The Lord was raised in Vrindavan by Nanda Baba and Yashoda Maiya. The Sri Krishna Temple's history is one of construction, destruction, reconstruction, and subsequent mosque construction after occupation. We won't go into details, but the establishment and functioning of over 300,000 mosques in India remains questionable. Therefore, even neutrals like us want the Supreme Court to deliver its final verdict on the Places of Worship Act of 1991 as soon as possible, so it becomes clear which temples, monasteries, structures, and mosques are within the scope of the law. Such debates and claims prove fruitless because they are rooted in religious prejudice. On one hand, the Ram Temple donation theft case is ongoing, investigations are underway, changes are being made to the trust, and the accused are still in jail. On the other hand, a call has been made for a kar seva at the Shri Krishna Temple, and therefore, it is being linked to politics and elections. Akhara Parishad President Mahant Dr. Ravindra Puri has also invited SP President and Yadav leader Akhilesh Yadav to the kar seva. However, such matters cannot be resolved without the intervention of the Supreme Court. The Supreme Court will have to hear both sides and deliver its verdict in this matter.

The Conflict Between Sanatan and Secularism

Will the SP and Congress be able to replicate this? Will they be able to demonstrate the necessary coordination between protecting Muslim interests and commitment to Hindu culture? Will they be able to overcome the conflict between "Sanatan and Secularism"? The BJP's support base is growing, while the opposition faces a challenge in the Sanatan-Secularism conflict. Muslim appeasement has alienated the opposition from Hindu votes. The SP and Congress face the challenge of balancing the upcoming elections. While Prime Minister Narendra Modi's support base and influence are growing, the opposition parties' campaign to oust him is intensifying. Until now, politics has been based less on ideology and more on caste arithmetic. The Congress, with 98 members in the Lok Sabha, and the SP, with 37, are the largest opposition parties in the House. The Congress has a strong support base nationwide, while the SP has a strong support base in Uttar Pradesh. In the last Lok Sabha elections, the SP and Congress contested together in Uttar Pradesh and defeated the BJP. This was also one of the reasons why the BJP fell short of an absolute majority in the Lok Sabha. The Uttar Pradesh election results boosted the morale of both the Samajwadi Party (SP) and the Congress.Both attempted to create the impression that the BJP was practicing Hindutva politics. In reality, the BJP was uniting all castes within Hindu society. Ideally, all parties should do this. They should engage all sections of society. It should also be noted that such efforts should be consistent with party ideology and be visible on the ground, and not merely for vote-gaining. The BJP has strengthened its support base by abolishing Article 370 and actively supporting the construction of a grand Ram Lalla temple in Ayodhya, as well as by engaging all sections in governance and development. In contrast, what has the opposition done?

Neither the Congress nationally nor the Samajwadi Party state-level made any effort to bring everyone together. The Congress and the Samajwadi Party cultivated an image as the sole leaders of the Muslim community. Due to their policy of Muslim appeasement, they attempted to separate the Muslim community from the Hindu community and gain their votes, which harmed not only Muslims but also Hindu-Muslim brotherhood. None of the Congress, SP, or BSP were willing to protect the interests of Hindus. This reality gradually brought together various Hindu castes. If Hindu-Muslim polarization has increased in society, the excessive appeasement of opposition parties is more responsible for it than the BJP and the Rashtriya Swayamsevak Sangh. Next year, assembly elections are due in Uttar Pradesh, Uttarakhand, Punjab, Gujarat, Himachal Pradesh, Goa, and Manipur. The Congress, SP, and other opposition parties believe that Sanatan and Hindutva are the BJP's political shield, so they should attack it first. To attack this shield, the leaders of these parties have launched a campaign to declare themselves Sanatanis. They also found an opportunity in the form of the offering theft incident at the Ram Temple. There's no doubt that all Sanatanis are hurt by this incident, but SP chief Akhilesh Yadav's assessment of the matter is somewhat hasty, going so far as to declare that "the BJP will now receive neither donations nor votes." It's quite possible that both of his assumptions will be shattered, as charity is considered a virtuous act in Hinduism.A Sanatani typically doesn't mention the donation he gives or insist on its use. It's also believed that if a donation is given with the right hand, the left hand should not notice it. Therefore, there's no sign of any decline in donations and faith. People are still heartbroken and angry, and therefore, they're not in a position to express their opinion on this matter. It's a characteristic of Hindu society to loudly highlight the shortcomings and evils of its society, but have you ever heard any other community speak out against the evils of their own society? In fact, even within secular parties, a large section of Hindus try to conceal these evils and insult those who highlight them by calling them communal. Do those self-proclaimed secular parties, who have been justifying the oppression of other communities against Hindus, truly deserve the votes of Hindus? However, even such parties are now realizing that their efforts will be ineffective without the support of Hindus. Therefore, their leaders have begun invoking Sanatan Dharma. Sanatan Dharma welcomes everyone, but could using Sanatan Dharma as a shield to do politics prove costly for them?

The Samajwadi Party (SP) is a strong opposition party in Uttar Pradesh. The Yadav-Muslim equation has been a strong strength for the SP. Yadavs constitute 11 percent of the population in Uttar Pradesh and Muslims 21 percent. On this basis, the SP formed the government in 2012 with only 29 percent of the vote, but now there are demands that the SP should declare a Muslim as its Chief Ministerial candidate in the upcoming assembly elections. This presents a significant dilemma for the SP. If this demand is not accepted and gains momentum, the Muslim community may shift away from the Samajwadi Party (SP), as in 2027, they will have a "new option" in the form of Congress, BSP, and Owaisi's party, which is preparing to contest a significant number of seats in the state.Owaisi wants to field candidates in approximately 145 Muslim-majority constituencies. Meanwhile, state Chief Minister Yogi Adityanath recently urged Akhilesh Yadav to support the Krishna Janmabhoomi movement.

संभल में वर्षों से चल रहा सरकारी जमीन पर गड़बड़ी का खेल, चार पट्टे निरस्त, अफसरों-माफिया का गठजोड़ उजागर

संभल के गुन्नौर तहसील क्षेत्र के गांव सूरपुर में गंगा की 31 बीघा जमीन पर वर्ष 1991 में किए गए चार पट्टों को एडीएम सत्यप्रिय सिंह ने निरस्त कर दिया है। जांच में पता चला कि जलमग्न भूमि की श्रेणी बदलकर नियमों के विरुद्ध आवंटन किया गया था।गुन्नौर तहसील के रजपुरा ब्लॉक अंतर्गत गांव सूरपुर में 1991 में गंगा की 31 बीघा जमीन पर चार लोगों को दिए गए पट्टे एडीएम ने निरस्त कर दिए हैं। नियमों की अनदेखी कर श्रेणी बदल दी गई थी और आवंटन कर दिया गया था।

यह मामला भी प्रशासन तक पहुंचा तो इसकी जांच कराई गई। इसमें खेल सामने आया कि वर्तमान राजस्व अभिलेख खतौनी में यह भूमि असंक्रमणीय भूमिधर के रूप में अंकित थी। यानि ऐसी जमीन जिस पर खेती की जा सकती है लेकिन बेची या दान नहीं दी जा सकती। जबकि जोत चकबंदी आकार पत्र 41 व 45 में इसे श्रेणी-6 (1) जलमग्न भूमि (नदी) के रूप में दर्ज किया गया था। जांच में यह तथ्य सामने आए तो पूरा खेल सामने आ गया। इसमें भी अधिकारियों की मिलीभगत रही। एडीएम सत्यप्रिय सिंह ने गुन्नौर एसडीएम की 16 अप्रैल को मिली रिपोर्ट के आधार पर पट्टे निरस्त करने कार्रवाई की है। एडीएम ने बताया कि सभी चार पट्टों का आवंटन उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा-128 के तहत नियम विरुद्ध पाया गया था।यह पट्टे गांव सूरपुर निवासी श्रीनिवास, शेर सिंह, शकुंतला और गांव पतेई कायस्थ निवासी प्रकाशचंद्र को आवंटित किए गए थे।

इनका आवंटन 17 नवंबर 1991 में किया गया था। आवंटन की पत्रावली सुरक्षित है। एडीएम ने कहा कि पट्टे निरस्त करने के साथ ही राजस्व अभिलेखों में पूर्व स्थिति बहाल करने का आदेश कर दिया है।

श्रेणी बदलकर 31 बीघा जमीन पर पट्टे किए गए थे, इनको निरस्त कर दिया गया है। भूमि को नदी की श्रेणी में दर्ज करने का आदेश किया है। आवंटन नियमों के खिलाफ जाकर नदी की जमीन पर किया गया था। -सत्यप्रिय सिंह, एडीएम, संभल

गुन्नौर तहसील क्षेत्र में गंगा की जमीन पर अवैध पट्टे कराकर खनन करने का खेल दशकों पुराना है।

अफसरों से मिलीभगत कर गंगा की जमीन की श्रेणी बदलवाना और फिर पट्टे आवंटित करा लेना। अभिलेख गवाह बना दिए जाते और फिर अफसर भी इसमें हाथ नहीं डाल पाते। इसका फायदा दशकों से माफिया उठाते चले आ रहे हैं। गुन्नौर तहसील में ऐसे तमाम पट्टे हैं जो अभिलेख में तो कृषि भूमि के रूप में दर्ज हैं लेकिन वह गंगा की जमीन पर हैं।डीएम अंकित खंडेलवाल ने ही इन मामलों को गंभीरता से लिया है। इस कारण परत दर परत खुलती जा रही है। डीएम ने बताया कि सुखैला में अवैध पट्टों के मामले में अफसर-कर्मचारियों की भूमिका सामने आ चुकी है। आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। ग्राम पंचायत असदपुर के गैरआबाद गांव सुखैला में 845 बीघा गंगा की जमीन पर 162 अवैध पट्टे का मामला सामने आने के बाद जांच आगे बढ़ी तो गांव सूरपुर में 31 बीघा जमीन पर चार पट्टे का मामला भी उजागर हुआ है। सुखैला में 2019 में पट्टे किए गए थे और सूरपुर में 1991 में आवंटन हुआ था। इन दोनों ही पट्टों में श्रेणी बदलकर आवंटन किया गया था। अभिलेख में कृषि भूमि दर्शाया गया और मौके पर गंगा की जमीन है जहां से रेत निकलता है। मतलब इस जमीन पर फसल भी नहीं की जा सकती है। तरबूज और खरबूज तो बस कर लिया जाता है। इसके अलावा रेत का खनन ही मकसद रहता है। चकबंदी और राजस्व के अधिकारी इसमें मिलीभगत कर लेते हैं और पट्टों का आवंटन आसानी से हो जाता है। माफिया और अफसरों की मिलीभगत से बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। 850 बीघा (71.5500 हेक्टेयर) सरकारी जमीन को अवैध पट्टों से खुर्दबुर्द कर दिया गया। इस जमीन का अनुमानित मूल्य लगभग 18 करोड़ रुपये है। रजपुरा, गुन्नौर और जुनावई ब्लॉक के कई गांवों में गंगा किनारे हैं पट्टे रजपुरा, गुन्नौर और जुनावई ब्लॉक के सैकड़ों आबाद और गैर आबाद गांव गंगा किनारे हैं। इन गांवों में अलग-अलग समय पर अवैध पट्टे किए गए हैं। अभिलेखों में कृषि पट्टे दर्ज हैं लेकिन हकीकत में वह गंगा की रेतीली जमीन के पट्टे हैं। इनमें पूरा खेल प्रशासन की जांच के बाद सामने आएगा। डीएम इसकी जांच करा रहे हैं। दो मामले सामने आ चुके हैं और अन्य मामले भी जल्द पकड़ में आएंगे। गंगा किनारे के सभी पट्टों की जांच चल रही- संभल जिला सितंबर 2011 में बना है। इससे पहले गुन्नौर तहसील क्षेत्र बदायूं जिले का हिस्सा हुआ करता था। उस समय इस इलाके में अवैध खनन बड़े पैमाने पर चलता था। जब संभल जिला बना तो इस पर कुछ हद तक अवैध खनन पर अंकुश लगा लेकिन जिन लोगों ने फर्जीवाड़ा कर जो पट्टे करा रखे थे वह अनुमति लेकर खनन कराते रहे और शासन और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। जबकि पट्टे भले दूसरे लोगों के नाम पर होते हैं लेकिन इनका लाभ कुछ ही असरदार लोग उठाते हैं इनका विरोध लोग कर भी नहीं पाते क्योंकि हर शासन में इन असरदार लोगों का राजनीतिक संरक्षण बना रहता है। इससे ही यह पट्टे अवैध बढ़ते चले गए और अफसर भी मिलते रहे। क्योंकि जमीनी हकीकत इस कार्रवाई से पहले कभी देखने के लिए बड़े अफसर पहुंचते ही नहीं थे। इसका ही माफियाओं ने लाभ उठाया है।

संभल में 50 साल पहले किया था कब्जा: सरकारी जमीन पर बने इमामबाड़ा- मजार पर चला बुलडोजर, सवा करोड़ की जमीन मुक्त

संभल के हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के मुकर्रबपुर गांव में सरकारी जमीन पर बने इमामबाड़ा और हजरत शाह मियां नीम मजार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। तहसीलदार कोर्ट के बेदखली आदेश के बाद प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शुक्रवार को सरकारी जमीन पर बनाए गए इमामबाड़ा और

गया। वर्षों पुराने कब्जे का मामला तहसीलदार कोर्ट में चल गए। इसी क्रम में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। मौके ग्रामीणों को इकट्ठा नहीं होने दिया गया। डीएम अंकित बीघा सरकारी बंजर जमीन पर कब्जा किया गया था। इस 2950 वर्गमीटर में इमामबाड़ा और 312 वर्गमीटर में मजार कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। कोर्ट ने इमामबाड़ा और लेकिन वे कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सके।12 जुलाई भी कब्जे नहीं हटाए गए। शुक्रवार को पांच बुलडोजर और गए। पुलिस, पीएसी और आरआरएफ के 50 से ज्यादा करेगा प्रशासन- डीएम ने बताया कि मुकर्रबपुर गांव में साढ़े कार्रवाई की।हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के गांव मुकर्रबपुर में हजरत शाह मियां नीम मजार को बुलडोजर से ढहा दिया रहा था। बेदखली का आदेश हुआ था लेकिन कब्जे नहीं हटाए पर डीएम, एसपी के साथ चार थानों की फोर्स तैनात रही। खंडेलवाल ने बताया कि करीब 50 साल पहले साढ़े चार जमीन की अनुमानित कीमत करीब सवा करोड़ रुपये है।इसमें बनाई गई थी। इसी साल दो मई को लेखपाल ने तहसीलदार मजार की देखरेख करने वाले लोगों से दस्तावेज मांगे थे को कोर्ट ने दोनों निर्माण हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद एक पोकलेन मशीन लगाकर अवैध निमार्ण ध्वस्त करा दिए जवान तैनात किए गए थे।भूमिहीन परिवारों को पट्टे आवंटित चार बीघा जमीन बंजर के नाम पर दर्ज है। इस जमीन से अवैध निर्माण हटा दिए गए हैं। कहा कि गांव में कुछ भूमिहीन परिवार भी हैं। प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी कि यह जमीन उन भूमिहीन परिवारों को पट्टे पर आवंटित की जाए। ताकि उनको राहत मिल सके। इसके लिए तहसील की टीम को निर्देश जारी किए जाएंगे। जिससे प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ पूरी की जा सके।जिले में जहां भी सरकारी जमीनों पर कब्जे हैं, हटाए जाएंगे। जो कब्जे हटा दिए गए हैं, उनके संरक्षण के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। ताकि फिर कोई कब्जा न कर सके। गांव मुकर्रबपुर में कब्जा मुक्त की गई जमीन पर भूमिहीन परिवारों को पट्टे आवंटित किए जाएंगे। - अंकित खंडेलवाल, डीएम, संभल अवैध कब्जों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान चार थानों की फोर्स भेजी गई। इसके अलावा पीएसी और आरआरएफ के जवान तैनात किए गए। कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो गई है। उक्त जमीन पर 50 वर्ष से कब्जा था। सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। - कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी, संभल

कली कॉपर वायर स्क्रैप बेचकर लाखों की ठगी करने वाले तीन गिरफ्तार

ठगी से पहले तांबे के टुकड़े फैक्ट्रियों से चुराए थे, सुल्तानपुर निवासी स्क्रैप कारोबारी नीरज बरनवाल ने दर्ज कराई थी पुलिस में शिकायत- पकड़े गए आरोपियों पर पहले से चोरी डकैती व गैंगस्टर समेत कई मुकदमे दर्ज हैं थाना सिविल लाइंस पुलिस ने

कॉपर वायर स्क्रैप के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो कारें, 128 बंडल नकली कॉपर वायर, तीन तमंचे, छह कारतूस, फर्जी आधार कार्ड और नकदी बरामद किए गए हैं। शुक्रवार को एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने अपने कार्यालय में वायर स्क्रैप के नाम लोगों के साथ ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया। बताााया कि गैंग के तीन साथी पकड़े गए हैं। उन्होंने बताया कि सुल्तानपुर निवासी स्क्रैप कारोबारी नीरज बरनवाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 16 जुलाई को कुछ लोगों ने खुद को यूपीपीसीएल का स्क्रैप कॉपर ठेकेदार बताकर करीब 1200 किलोग्राम कॉपर वायर स्क्रैप का सौदा 5.30 लाख रुपये में किया। बाद में जांच में पता चला कि वायर के बाहरी हिस्से पर केवल तांबे की परत चढ़ाई गई थी, जबकि अंदर सीमेंट भरा हुआ था। पूरे माल में केवल लगभग 20 किलोग्राम ही असली तांबा निकला। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।आरोपियों को पकड़ने के लिए गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर अगवानपुर रोड स्थित निर्माणाधीन बाईपास पुल के पास से भूरा अली, जाने आलम और इकबाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे निर्माणाधीन मकानों और फैक्ट्रियों से कॉपर वायर के टुकड़े चोरी करते थे। तार के अंदर का तांबा निकालकर उसमें सीमेंट भर देते थे और सिरों पर असली तांबे के तार लगाकर उसे असली कॉपर स्क्रैप बताकर बेचते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो लग्जरी कार, 128 बंडल नकली कॉपर वायर, दो असली और तीन फर्जी आधार कार्ड,1,800 रुपये नकद, 315 बोर का तीन तमंचा और छह जिंदा कारतूस बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तीनों आरोपी पहले भी ठगी, चोरी, डकैती और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मामलों में जेल जा चुके हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

जौहर विश्वविद्यालय के आम रास्ते पर PWD अधिकारी की कार रोकी, निरीक्षण के दौरान बढ़ी गहमागहमी

रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय परिसर की 3.5 किलोमीटर फोरलेन सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे पीडब्ल्यूडी अधिकारी की कार मुख्य गेट पर रोक दी गई। अधिकारी ने इसे सार्वजनिक मार्ग बताते हुए निरीक्षण पूरा किया। दो दिन पहले ही पीडब्ल्यूडी ने इस सड़क को आम रास्ता घोषित किया था। निरीक्षण में 20 मीटर सड़क अवरुद्ध मिलने की बात भी सामने आई।जौहर विश्वविद्यालय परिसर से गुजरने वाली 3.5 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क को दो दिन पहले ही लोक निर्माण विभाग (PWD) ने सार्वजनिक मार्ग घोषित किया था। इसके बावजूद शुक्रवार को इसी सड़क के निरीक्षण के लिए पहुंचे विभागीय अधिकारी की कार विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर रोक दी गई। इस दौरान कुछ देर तक गहमागहमी रही, जिसके बाद अधिकारियों ने पूरी सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के लिए पहुंचे थे पीडब्ल्यूडी के अधिकारी- शुक्रवार दोपहर लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) केवी सिंह सड़क का स्थलीय निरीक्षण करने जौहर विश्वविद्यालय पहुंचे। आरोप है कि मुख्य गेट पर मौजूद गेटकीपर ने उनकी कार को रोक दिया। इस पर अधिकारी ने कहा कि यह सार्वजनिक मार्ग है और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को निरीक्षण से रोकना सरकारी कार्य में बाधा डालने की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस सड़क पर आम लोगों की आवाजाही भी नहीं रोकी जा सकती।सड़क का आखिरी छोर तक किया निरीक्षण- गेट पर हुई गहमागहमी के बाद अधिकारी सड़क के अंतिम छोर तक पहुंचे और पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क की स्थिति और मार्ग पर मौजूद अवरोधों का भी जायजा लिया गया। दो दिन पहले सार्वजनिक मार्ग घोषित हुई थी सड़क- यह सड़क वर्ष 2003-04 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में जौहर विश्वविद्यालय के प्रस्तावित मानचित्र के अनुसार बनाई गई थी। बाद में प्रदेश में सपा सरकार बनने पर सड़क के चौड़ीकरण के लिए त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत करीब 17 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ और लगभग 13.50 करोड़ रुपये की लागत से इसे फोरलेन बनाया गया। वर्ष 2019 में जौहर विश्वविद्यालय में सरकारी धन के उपयोग को लेकर हुई जांच के दौरान इस सड़क का मामला भी सामने आया। इसके बाद मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा। जिला प्रशासन के निर्देश पर दो दिन पहले पीडब्ल्यूडी ने सड़क को सार्वजनिक मार्ग बताते हुए विश्वविद्यालय के गेट के बाहर और भीतर सूचना बोर्ड लगाए थे। हालांकि, गेट से जुड़ा मामला न्यायालय में लंबित होने के कारण उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। छात्रों के लिए लगाया गया काउंसलिंग कैंप- इसी दौरान विश्वविद्यालय के मुख्य गेट के बाहर जिला प्रशासन की ओर से काउंसलिंग कैंप भी संचालित किया गया। प्रशासन के अनुसार, विश्वविद्यालय के भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद छात्रों को अन्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश संबंधी जानकारी दी जा रही है। विरोध के बावजूद कैंप जारी रहा। एक्सईएन बोले- 20 मीटर सड़क पहले से बंद मिली- लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता केवी सिंह ने बताया कि 3.5 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क सरकारी संपत्ति है और उसी के निरीक्षण के लिए वे मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा, गेट पर कार रोके जाने पर संबंधित लोगों को समझाया गया कि यह आम रास्ता है और किसी को भी यहां आने-जाने से नहीं रोका जा सकता। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि करीब 20 मीटर सड़क पहले से अवरुद्ध है। आगे गेट और दीवार बनी हुई है। अब गेट और दीवार के संबंध में आगे क्या कार्रवाई होगी

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में नागफनी-लालबाग सड़क पर हटेगा अतिक्रमण; मकान व दुकानों पर लगाए 8-8 फीट के लाल निशान से मची खलबली

मुरादाबाद में नागफनी से लालबाग तक सड़क अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान शुरू हो गया है। प्रशासन की टीम ने नवाबपुरा में मकानों व दुकानों पर लाल निशान लगाए, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया।नागफनी से लालबाग तक अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू प्रशासन ने नवाबपुरा में

मकानों पर लाल निशान लगाए- स्थानीय लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया, नोकझोंक हुईनागफनी से लालबाग तक सड़क अतिक्रमण मुक्त होगी जिसकी शुरुआत हो गई है। शुक्रवार को प्रशासन की टीम ने नवाबपुरा में नापजोख शुरू की तो खलबली मच गई। क्षेत्र के लोग नापजोख के विरोध में उतर आए। वीडियो बनाने लगे। प्रशासन को इस बात का पहले से अंदेशा था, इसलिए टीम के साथ निगम व प्रवर्तन दल के कर्मचारी भी थे। नापजोख के साथ-साथ आठ-आठ फिट पर टीम ने मकानों व दुकानों पर लाल निशान लगाए। लालबाग तक यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी और अतिक्रमण की जद में आने वाले पूरे क्षेत्र तक लाल निशान लगाया जाएगा। फिर संबंधित को नोटिस जारी किये जाएंगे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होगी। प्रशासन की टीम ने आठ-आठ फीट तक मकानों व दुकानों पर लगाए लाल निशान- डीएम डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देश पर शुक्रवार को टीम नवाबपुरा पहुंची। नवाबपुरा में सड़क और नाली की भूमि पर बने मकानों, दुकानों और अन्य निर्माणों पर नापजोख करके निशान लगाने शुरू कर दिये। नापजोख करने पहुंची टीम के अनुसार, लोगों ने सड़क, नाला को करीब आठ-आठ फीट तक अपने घरों के अंदर कर लिया है जिससे सड़क सकरी हो गई है।स्थिति यह बन गई है कि नागफनी, नवाबपुरा, कहारो वाला मंदिर, श्मशान घाट व प्राचीन काली मंदिर लालाबाग तक जाने वाले पूरे रास्ते भर जाम की स्थिति बनी रहती है।कार्रवाई के विरोध में सड़क पर आए क्षेत्रीय लोग, टीम से हुई नोकझोंक दिन में यहां पैदल निकलना भी दूभर रहता है। काली माता मंदिर और झारखंडी मंदिर इसी रास्ते पर पड़ते हैं। पुराने शहर का यह सबसे घना आबादी क्षेत्र हैं। ऐसे में जाम से निदान के लिए कवायद शुरू की गई है। शुक्रवार दोपहर टीम जब पहुंची तब नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। कार्रवाई का विरोध जताने लगे।

मुरादाबाद में 31 जुलाई से लागू होगा रूट डायवर्जन, दिल्ली-लखनऊ हाईवे की एक लेन कांवड़ियों के लिए रिजर्व

मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा के लिए 31 जुलाई से रूट डायवर्जन प्लान लागू होगा, जिसमें सावन के हर शुक्रवार से सोमवार तक भारी वाहनों का संचालन बंद रहेगा।कांवड़ यात्रा हेतु 31 जुलाई से रूट डायवर्जन लागू सावन में हर शुक्रवार से सोमवार तक भारी वाहन प्रतिबंधित- दिल्ली-लखनऊ हाईवे की एक लेन कांवड़ियों को समर्पितकांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस और प्रशासन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। कांवड़ियों को हाईवे व अन्य मार्गों पर किसी तरह की कोई दिक्कत न हो इसको लेकर डायवर्जन प्लान भी बना लिया गया है। सावन के चारों सोमवार व शिवरात्रि पर भारी वाहनों का संचालन बंद रहेगा। कई मार्गों पर हल्के वाहनों को भी वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाएगा। पहला सोमवार तीन अगस्त को है। ऐसे में जिले भर में 31 जुलाई से लागू कर दिया जाएगा।दिल्ली लखनऊ हाईवे और हरिद्वार मार्ग पर शुक्रवार से लेकर सोमवार तक भारी वाहन नहीं चलेंगे। इस दौरान वाहनों को दूसरे मार्गों से चलाया जाएगा। यह होगी डायवर्जन की व्यवस्था- शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन शाहजहांपुर से बदायूं, बबराला, नरौरा और बुलंदशहर के रास्ते भेजे जाएंगे। मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन संभल, बबराला, नरौरा, बुलंदशहर और हापुड़ होकर दिल्ली जाएंगे। बरेली और रामपुर से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन बिलारी, सिरसी, संभल, चौधरी सराय और गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते निकाले जाएंगे। वाहन गागन तिराहा, मनोटा, सिरसी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर और हापुड़ होकर जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर हल्के वाहन भी इसी मार्ग से भेजे जाएंगे। दिल्ली-गाजियाबाद से रामपुर, बरेली और लखनऊ जाने वाले भारी वाहन हापुड़, सिंभावली, डिबाई, नरौरा और बदायूं के रास्ते भेजे जाएंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संसद में गूंजेंगे बरेली के मुद्दे सांसद नीरज मौर्य बोले – सरकार से मांगेंगे जवाब

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आंवला सांसद नीरज मौर्य ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता दौरान बताया कि 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वह क्षेत्र और देशहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे।

उन्होंने बताया कि संसद में रोजगार, किसानों की आय, एमएसपी की कानूनी गारंटी, फसल मुआवजा, सरकारी स्कूलों की शिक्षा, स्मार्ट सिटी कार्यों की जांच, महंगाई, बेरोजगारी, खाद की कमी, NEET में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। सांसद ने बरेली में किसानों को खाद उपलब्ध कराने, 300 बेड अस्पताल को पूरी क्षमता से संचालित कराने, बंद रबर फैक्ट्री के समाधान और एम्स की स्थापना की मांग भी संसद में उठाने की बात कही। इस दौरान शुभलेश यादव, पीयूष वर्मा, डॉ. नरेंद्र गौतम, मयंक शुक्ला और सत्यवीर चौहान सहित कई लोग मौजूद रहे।

बारादरी पुलिस ने 2 लाख की अवैध अफीम के साथ तस्कर दबोचा, ट्रक चालकों को बनाता था निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । नशे के कारोबार पर बरेली पुलिस का शिकंजा लगातार कसता ही जा रहा है। बारादरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 227 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, श्यामगंज से शहदाना रेलवे ग्राउंड की ओर गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से 227 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह अधिक मुनाफे के लालच में अवैध रूप से अफीम खरीदकर होटल और ढाबों पर आने वाले ट्रक चालकों को बेचता था। ग्राहक की तलाश में खड़ा था, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान वीरू उर्फ धर्मेंद्र निवासी चनेटी लाल फाटक, थाना कैंट, बरेली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

राजकीय औद्योगिक प्रक्षिक्षण संस्थान कोंच में वृक्षारोपण किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। आज घुसिया रोड पर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रक्षिक्षण संस्थान कोंच में जल संरक्षण को लेकर वृक्षारोपण किया गया। जिसमें तमाम प्रजातियों के अच्छे पेड़ पौधे रोपित किये गये इस अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रक्षिक्षण संस्थान कोंच के कार्य देशक धर्मेंद्र यादव ने कहा कि यह बरसात के समय पेड़ पौधों को लगाने का सबसे उत्तम समय है। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे पर्यावरण को संरक्षित करते है साथ ही जल सरंक्षण को बढ़ावा देते है उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम पर लोग जरूर लगाये और क्षेत्र को हरा भरा बनाने में अपना सहयोग करें। राज नारायण वरिष्ठ लिपिक ने अपने संबोधन में कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिये सहायक है पेड़ हमे शुद्ध वायु देते है पेड़ों से हमें बहुत कुछ मिलता है उन्होंने सभी से पेड़ रोपित करने की अपील की इस अवसर पर अजय पाल सिंह कार्य देशक अनूप सिंह अनुदेशक शशांक कुमार अनुदेशक लोकेश सिंह अनुदेशक राज नारायण वरिष्ठ लिपिक सहित कई छात्र छात्राएं और स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की कार्यशाला संपन्न, सतत विकास के लिए विज्ञान व नवाचार पर मंथन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के तत्वावधान में इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी, लखनऊ द्वारा राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की रूहेलखंड आंचलिक कार्यशाला श्री गुलाब राय इंटर कॉलेज में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित आंचलिक विज्ञान समन्वयक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि एस.एन. मिश्रा ने विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान खोजने का आह्वान किया, जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. डी.सी. शुक्ला ने स्वस्थ और जिज्ञासु बालमन को विज्ञान की सबसे बड़ी ताकत बताया। राज्य समन्वयक दीपक शर्मा और मुख्य राज्य विज्ञान अन्वेषक डॉ. वी.पी. सिंह ने बाल विज्ञान परियोजनाओं और उनके तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला में बरेली सहित रूहेलखंड के नौ जिलों के जिला एवं अकादमिक समन्वयकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ. एस.पी. पांडेय ने की, जबकि संचालन डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने किया।

संक्षिप्त समाचार

डिलारी पुलिस ने शांति भंग में 7 लोगों को किया गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी । थाना डिलारी पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई करते हुए शनिवार को सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दो पक्षों के बीच विवाद और शांति भंग की आशंका के मद्देनजर आरोपियों के विरुद्ध निवारक कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि दिनांक 18 जुलाई 2026 को दोनों पक्षों से कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा बीबीएनएसएस की धारा के तहत कार्रवाई करते हुए शांति व्यवस्था भंग करने में चालान किया गया।गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय ठाकुरद्वारा, जनपद मुरादाबाद में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सपूर्ण समाधान दिवस में डीएम का फरमान अफसर रहें अलर्ट! बोले-शिकायतों का निस्तारण ऐसा हो कि जनता संतुष्ट हो

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली । फरीदपुर तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता और विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह की मौजूदगी में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। डीएम ने जनता की शिकायतें सुनते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। समाधान दिवस में बिजली कनेक्शन, भूमि विवाद, चकबंदी, प्रदूषण और कृषि से जुड़ी शिकायतों पर संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए। डीएम ने कहा कि अधिकारी रोज सुबह तय समय पर कार्यालय में बैठकर लोगों की समस्याएं सुनें और शिकायतकर्ता पूरी तरह संतुष्ट हो। इसके साथ ही 30 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को देखते हुए सभी विभागों को समय रहते तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में पौधारोपण भी किया।

जहरीली शराब से रहें सावधान ! इसके पीने से जा सकती है जान , प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। आपके शहर कस्बे या फिर गांव में आसपास कोई व्यक्ति अवैध शराब खरीदता या बेचता पाया जाए तो जिला प्रशासन ने जनपदवासियों को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अवैध अड्डों पर बिकने वाली शराब जानलेवा साबित हो सकती है। जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया कि अवैध शराब में मिथाइल अल्कोहल जैसे जहरीले तत्व हो सकते हैं, जिनके सेवन से आंखों की रोशनी जा सकती है और कई मामलों में व्यक्ति की मौत तक हो सकती है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि अवैध शराब का सेवन बिल्कुल न करें और यदि कहीं भी अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिले तो तत्काल जिला आबकारी अधिकारी के लैंडलाइन (0581) 2421561, मोबाइल 9454465646 और 9454465600 अथवा संबंधित आबकारी निरीक्षक को सूचना दें। जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा, जबकि शिकायत मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलाने के आदेश पर भड़के चौधरी मुदस्सिर

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा - रामपुर की विख्यात मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलाने के आदेश पर मध्यप्रदेश समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव चौधरी मुदस्सिर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चौधरी मुदस्सिर ने इस आदेश की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि राजनीति में मतभेद तो हुआ करते थे लेकिन वर्तमान में राजनैतिक द्वेष मन में लेकर इतने मन भेद हो गए हैं कि शिक्षा के मंदिर पर बुलडोजर चलाने के आदेश आ गए हैं। चौधरी मुदस्सिर ने कहा कि मैं बार बार यह बात कह चुका हूं और आज फिर दोहराता हूं कि मोहम्मद आज़म ख़ान अगर चाहते तो अपनी औलाद के लिए बड़े बड़े उद्योग, आलीशान बंगले, विदेशों में प्रॉपर्टियां खरीद सकते थे लेकिन उन्होंने गरीब के घर में इल्म की शमा (दीपक) जलाने के लिए एक यूनिवर्सिटी बनाई थी। चौधरी मुदस्सिर ने आगे कहा कि मैं इस देश के हर एक नागरिक से सवाल करना चाहता हूँ कि आज के दौर में इंसान दो कमरों का घर बनाने में ज़िन्दगी लगा देता है तो इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी बनाने में कितना रुपया खर्च हुआ होगा। इस यूनिवर्सिटी के ख्वाब की ताबीर में कितनी रातें मुहम्मद आज़म ख़ान साहब ने जाग कर गुज़ारी होंगी। कितने लोगों के सामने एक खुद्दार शख्स ने हाथ फैलाया होगा। तब कहीं एक जौहर यूनिवर्सिटी तामीर हुई। सींचा है इसे खून से हम तिशना लबों ने तब जाके यह अंदाज़ा ए मयखाना बना है लेकिन राजनीतिक दुश्मनी में इस हद तक आँखें बंद हुई कि वह यूनिवर्सिटी वह शिक्षा का मंदिर वह इल्म का चश्मा ही सियासत के भेंट चढ़ गया। उस मुल्क या समाज में शिक्षा का ही आम नहीं हो सकती जब तक कि शिक्षक और शिक्षा के मंदिर को सम्मान न दिया जाए। चौधरी मुदस्सिर ने आगे कहा कि मोहम्मद आज़म ख़ान साहब को तो सारे खानदान के साथ कैदखाने में डाले हुए हो अब इस बेजान इमारत पर कैसी ज़ोर आज़माई है। चौधरी मुदस्सिर ने बहुत तीखे लहजे में कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश के इतिहास के काले अध्यायों में एक अध्याय यह भी जुड़ा है कि यहां एक यूनिवर्सिटी को जमींदोज करने का फरमान जारी हुआ है। चौधरी मुदस्सिर ने कहा कि शिक्षक है तो शिक्षा है। स्कूल कॉलेज, यूनिवर्सिटी हैं तो शिक्षा है। शिक्षा है तो समाज उन्नत और सुदृढ़ है। शिक्षा विहीन समाज भीड़ में चलती भेड़ों के सिवा कुछ भी नहीं है। शिक्षा विहीन समाज हैवान से बदतर है। इसलिए शिक्षा के मंदिरों का तिरस्कार मत होने दो, शिक्षा के मंदिरों का अपमान मत होने दो, शिक्षा के मंदिरों का ध्वस्तीकरण मत होने दो। चौधरी मुदस्सिर ने भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री सहित उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री से अपील की है कि मौलाना जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलाने वाले आदेश को तत्काल प्रभाव से निष्क्रिय किया जाए और आगे भी किसी शिक्षा के मंदिर को जमींदोज न किया जाए।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला कलयुगी सौतेला पिता 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार, पुलिस की त्वरित कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी: मगरौनी /नरवर:बालक-बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर शिवपुरी पुलिस ने एक बार फिर त्वरित कार्रवाई करते हुए संवेदनशीलता का परिचय दिया है। चौकी मगरौनी थाना नरवर पुलिस ने एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले उसके सौतेले पिता को वारदात के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। घर में अकेला पाकर किया गलत काम- पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित नाबालिग बालिका ने 17 जुलाई 2026 को मगरौनी चौकी उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि 15 जुलाई 2026 की दोपहर करीब 2 बजे वह घर में अकेली थी। इसी दौरान उसके सौतेले पिता रामलाल आदिवासी ने उसे कमरे में पकड़ लिया और उसके साथ जबरन गलत काम (बलात्कार) किया। पीड़िता की मौखिक रिपोर्ट पर तत्काल संज्ञान लेते हुए नरवर पुलिस ने अपराध क्रमांक 130/26 पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64(2)(ढ), 65(1), 5(n), 6, 3 और 4 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित हुई टीम- मामले की गंभीरता को देखते हुए शिवपुरी पुलिस अधीक्षक (SP) श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने ऐसे अपराधों में तत्काल कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी (SDOP) पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नरवर निरीक्षक विनय यादव के नेतृत्व में चौकी मगरौनी पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। परता दिखाते हुए 18 जुलाई 2026 को दबिश देकर नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले कलयुगी सौतेले पिता आरोपी रामलाल आदिवासी (38 वर्ष), निवासी हरदौलपुरा मगरौनी को 24 घंटे के भीतर धरदबोचा।

NEET 2026 में पीडब्ल्यू का जलवा , बरेली के मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शिक्षा कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने NEET 2026 में अपने छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया। संस्थान के कई छात्रों ने ऑल इंडिया रैंक में बेहतरीन स्थान हासिल किए, जिनमें रविकांत दिवाकर (AIR-55), शिवांश आनंद (AIR-152), दिव्यांश जायसवाल (AIR-173) और साक्षी कुमारी (AIR-192) प्रमुख रहे। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में बरेली में आयोजित सम्मान समारोह में नीतीश यादव (AIR-576), हर्षित शर्मा (AIR-825) और यश गौर (AIR-1017) समेत कई सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। पीडब्ल्यू के संस्थापक एवं सीईओ अलख पांडे ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने उन छात्रों का भी हौसला बढ़ाया जो इस बार सफल नहीं हो सके। सफल छात्रों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय पीडब्ल्यू के अनुभवी शिक्षकों, डेली प्रैक्टिस, मॉक टेस्ट, वीडियो सॉल्यूशंस और डाउट रेजोल्यूशन जैसी सुविधाओं को दिया। पीडब्ल्यू का उद्देश्य देशभर के छात्रों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना है।

छर्रा कांड में सियासत तेज: भाजपा का पलटवार- पीड़ित परिवार के नाम पर गंदी राजनीति कर रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन

क्यूँ न लिखूँ सच / अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता पूर्व जिला अध्यक्ष पद धनीपुर मंडल के संयोजक भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा कि कांग्रेस के नेता इंडिया गठबंधन के नेता छरा प्रकरण में गंदी राजनीति पर उतर आए हैं कांग्रेस नेता पूर्व विधायक प्रदीप माथुर सरकार से मांग कर रहे हैं 50 लाख रुपया पीड़ित परिवार को दिया जाए प्रदीप माथुर सक्षम है पूरी तरह से वह 50 लाख रुपया पीड़ित परिवार को दे सकते हैं सहयोग करने में प्रदीप माथुर सक्षम हैं पीड़ित परिवार की आड़ में गंदी राजनीति ना करें रही बात सरकार के सरकार बराबर पीड़ित परिवार का सहयोग कर रही है पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है सरकार पर सवाल उठाना बिल्कुल गलत है सरकार अपना कार्य कर रही है भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने साफ कहा है कि कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए पीड़ित परिवार के यहां जाकर सहयोग करने की बजाय पीड़ित परिवार का मजाक बना रहे हैं

स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष बनने का सुनहरा अवसर, यूपी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने मांगे आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ ने स्थायी लोक अदालत (Permanent Lok Adalat) के अध्यक्ष (Chairman) पद पर चयन एवं नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भर्ती विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-बी के अंतर्गत गठित स्थायी लोक अदालतों के लिए की जाएगी। प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति आजमगढ़, बलरामपुर, महोबा, संत कबीर नगर, पीलीभीत, अलीगढ़, एटा, गौतम बुद्ध नगर और मथुरा जनपदों में की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 24 अगस्त 2026 को सायं 5:00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया, पात्रता, चयन संबंधी दिशा-निर्देश एवं अन्य विस्तृत जानकारी उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थियों से समय सीमा के अंदर अपना आवेदन कर सकते हैं।

जनहित एवं प्रशासनिक कार्यों को गति देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने नवागत उप जिलाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने के लिए विभिन्न तहसीलों में नवागत उप जिलाधिकारियों की तैनाती, तत्काल प्रभाव से लागू हुए आदेश जनपद में प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने नवागत उप जिलाधिकारियों एवं उप जिला मजिस्ट्रेटों की तैनाती एवं कार्यभार का निर्धारण करते हुए आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार उप जिलाधिकारियों को प्रशासनिक आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न तहसीलों में दायित्व सौंपे गए हैं। जारी आदेश के अनुसार विनय कुमार मौर्य को उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट कालपी के पद पर तैनात किया गया है। अभिनव कुमार यादव को उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट कोंच बनाया गया है तथा उन्हें उप जिलाधिकारी (न्यायिक) कोंच का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इसी प्रकार अनीता देवी को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) जालौन, उत्तम कुमार तिवारी को उप जिलाधिकारी/ उप जिला मजिस्ट्रेट उरई, तथा मनोज प्रकाश को उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट व न्यायिक माधौगढ़ के पद पर तैनात किया गया है। कुमार संजय को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट उरई का दायित्व सौंपते हुए उप जिलाधिकारी (न्यायिक) कालपी का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि सभी अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप जनसुनवाई, राजस्व, कानून-व्यवस्था तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पूरी निष्ठा ईमानदारी एवं जवाबदेही के साथ कार्य करेंगे, जिससे आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें, कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे : डीपीसी सिकरवार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर शनिवार को करैरा विकासखंड में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री दफेदार सिंह सिकरवार ने शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों के नामांकन, उपस्थिति, अपार आईडी, एफएलएन तथा उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान की प्रगति की समीक्षा की। डीपीसी श्री सिकरवार ने निर्देश दिए कि 6 से 14 वर्ष आयु का कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर नहीं रहना चाहिए। इसके लिए विद्यालयों को घर-घर संपर्क कर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही अपार आईडी, एफएलएन और शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को समय-सीमा में पूरा करने को कहा गया। बैठक में विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था, अभिलेख संधारण, स्वच्छता, शैक्षणिक वातावरण एवं विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। जिन विद्यालयों का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाया गया, उन्हें सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं बैठक से अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। डीपीसी ने बताया कि विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर चयनित 20 मॉडलों में से 13 मॉडल करैरा विकासखंड के हैं। उन्होंने नारही की उस छात्रा का भी उल्लेख किया, जिसे उत्कृष्ट उपलब्धि पर राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान की समीक्षा करते हुए वर्ष 2027 तक देश को पूर्ण साक्षर बनाने के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई। अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाला प्रभारी रवि तिवारी, भानुप्रताप सिंह परमार सहित अन्य शिक्षकों को सम्मानित किया गया। बैठक में अशासकीय विद्यालयों के संचालकों को विद्यालय वाहनों की फिटनेस, वैध दस्तावेज, चालकों के लाइसेंस, गाइड की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एपीसी श्री उमेश करारे, बीईओ श्री मुकेश शर्मा, बीआरसी श्री विनोद तिवारी, संकुल प्राचार्य, बीएसी, जन शिक्षक, अशासकीय विद्यालय संघ के पदाधिकारी एवं विकासखंड के सभी शाला प्रभारी उपस्थित रहे।

निस्तारण में लापरवाही व अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं: डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं तहसील बिल्सी में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अवनीश राय ने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक फरियादी को न्याय दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की महत्वपूर्ण व्यवस्था है, जिसके माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान कराया जाता है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में स्थलीय सत्यापन कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। समाधान दिवस के दौरान राजस्व, पुलिस, विकास एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल 46 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 04 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया तथा शेष प्रकरणों के लिए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्राप्त शिकायतों में राजस्व की 24, पुलिस की 12 व अन्य विभागों की 10 सहित कुल 46 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुईं। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर प्राप्त शिकायती पत्रों में भूमि की पैमाइश कराने, चकरोड पर से अवैध कब्जा हटवाने आदि की शिकायते प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद से सम्बंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसएसपी, सीडीओ, एसडीएम बिल्सी, तहसील बिल्सी सहित अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर, दिव्यांग को मिला बैटरी रिक्शा, पीड़िता को 112 सेवा का दिया गया व्यवहारिक प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुनीं 126 शिकायतें, 32 का मौके पर निस्तारण; संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का दिखा प्रभाव तहसील जालौन सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने दूर-दराज से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। समाधान दिवस में कुल 126 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 32 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष प्रकरणों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान विकास खण्ड कुठौंद के ग्राम विचौली निवासी लगभग 80 प्रतिशत दिव्यांग हिमांशु कुमार ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह कक्षा 8 तक शिक्षा प्राप्त कर चुका है और आगे भी पढ़ाई जारी रखना चाहता है, लेकिन आवागमन के साधन के अभाव में उसे कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप तत्काल जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को निर्देशित कर बैटरी चालित रिक्शा उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनें, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ें तथा समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना जीवन व्यतीत करें।सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक अन्य प्रकरण में सुखदेई देवी ने पारिवारिक विवाद से संबंधित शिकायत प्रस्तुत की। इस पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें आपातकालीन स्थिति में यूपी-112 सेवा का उपयोग करने की सलाह दी। जब पीड़िता ने बताया कि उसे 112 सेवा का उपयोग करने की जानकारी नहीं है, तब पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ही मुख्य विकास अधिकारी के मोबाइल फोन से 112 नंबर डायल कराकर स्वयं स्टेप-बाय-स्टेप पूरी प्रक्रिया समझाई। कॉल दर्ज होने के कुछ ही मिनटों में यूपी-112 पीआरवी मौके पर पहुंची और जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में पीड़िता की शिकायत दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की। इस दौरान पीड़िता को आपातकालीन पुलिस सहायता सेवा के प्रभावी उपयोग का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में आमजन बिना किसी संकोच के यूपी-112 सहित अन्य पुलिस सेवाओं का उपयोग करें। पुलिस प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और सहायता के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को आपातकालीन सेवाओं के प्रति जागरूक करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, ताकि संकट की घड़ी में उन्हें तत्काल सहायता मिल सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, उप जिलाधिकारी राकेश सोनी, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी आदि जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

शादी कराने के नाम पर 99 हजार की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पिछोर थाना पुलिस ने शादी कराने के नाम पर 99 हजार रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद उप जेल पिछोर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, हरियाणा के गुरुग्राम जिले की रहने वाली प्रीति फोगाट ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने एक युवक का विवाह कराने का झांसा देकर फोन-पे के माध्यम से 99 हजार रुपये वसूल लिए। इसके बाद तय स्थान पर बुलाकर पीड़िता और उसके परिजनों का रास्ता रोक लिया तथा अतिरिक्त रकम की मांग की। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई, वाहन में तोड़फोड़ की गई और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही विवाह के लिए लाई गई युवती को भी आरोपी अपने साथ वापस ले गए। शिकायत के आधार पर थाना पिछोर में विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीब मुले के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी कल्ला उर्फ प्रेमकुमार लोधी निवासी प्रतापपुरा और शिवानी लोधी निवासी सेमरी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध करना स्वीकार किया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें उप जेल पिछोर भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नीतू सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

प्रभारी मंत्री रविवार को करेंगे काँवड यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन अरूण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि काँवड यात्रा की तैयारियों, कानून एवं शान्ति व्यवस्था हेतु नामित अधिकारियों के साथ 19 जुलाई 2026 रविवार को अपरान्ह 02:00 बजे कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में एक बैठक मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उ0प्र0 अरूण कुमार एवं मा0 प्रभारी मंत्री जनपद बदायूँ की अध्यक्षता में सभाकक्ष में आहूत जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से नियत समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर बैठक में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

हाई टेंशन की लाइन की चपेट में आने से राजमिस्त्री की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अदरीसपुरा निवासी रामसेवक कुशवाहा निवासी ग्राम चकधारी में देवेंद्र गुर्जर के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें वह काम कर रहे थे। वह दीवार की चुनाई करते समय उनके हाथ में मौजूद सिल्वर की फंटी मकान के ऊपर से गुजर रही है हाई टेंशन की लाइन से टकरा गई और उसमें हाई वोल्टेज के तेज करंट की चपेट में आते ही उन्हें तेज झटका लगा और वह गंभीर रूप से झुलस कर नीचे आ गिरे ।हादसे के समय साथ काम कर रहे छोटे भाई बीरेंद्र कुशवाहा और अन्य मजदूरों ने तुरंत उन्हें निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में चीख-पुकार मच गई। पत्नी सुनीता देवी समेत पूरे परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची नदीगांव थाना पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। नदीगांव के थानाध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है इस मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है।

20 जुलाई से चलेगा ग्राम स्तरीय गन्ना सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायू जिला गन्ना अधिकारी जगदीश चन्द्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मा. मुख्यमंत्री जी उ0प्र0 की पारदर्शी नीति के तहत पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है, जो कि 01 मई 2026 से प्रारम्भ हुआ था। सर्वे के दौरान जो भी आंकड़े प्राप्त हुए हैं, उसके आधार पर गन्ना सट्टा आगणित करते हुये वर्तमान में 2026 से 30 अगस्त, 2026 तक चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि गन्ना विभाग किसान के द्वार अभियान के अंतर्गत गन्ना विकास विभाग के कर्मचारी गन्ना कृषकों को उनके गन्ना सर्वे एवं सट्टे से संबंधित कुल 63 बिन्दुओं पर आंकड़े दिखाकर अभिमत प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि यदि किसान को 63 कॉलम से संबंधित आंकड़ों में किसी बिन्दु पर आपत्ति है तो कृषक से आपत्ति प्राप्त करते हुए रजिस्टर में दर्ज कर यथोचित निस्तारण तत्समय ही किया जायेगा। उन्होनें किसानों से अपील की है, कि वे ग्राम स्तरीय सर्वे-सट्टा प्रदर्शन मेला में अपनी कृषि योग्य भूमि, गन्ना प्रजाति, मोबाईल नम्बर, बेसिक कोटा, बैंक खाता, आदि महत्वपूर्ण विवरणों की सही जानकरी कर लें और कोई विवरण गलत होने की स्थिति में गन्ना पर्यवेक्षकों को आवश्यक दस्तावेज एवं प्रार्थना पत्र देकर मौके पर ही अपडेट करा लें। साथ ही यह भी अवगत कराया कि ऐसे गन्ना किसान जो किन्ही कारणों से ग्राम स्तरीय सर्वे-सट्टा प्रदर्शन के दौरान मौके पर उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं या प्रदेश के बाहर अपनी सेवायें दे रहे हैं, उनके लिए 63 कालम का डाटा पोर्टल पर लाइव करा दिया जायेगा। यह भी जानकारी दी गई कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए 30 सितम्बर 2026 तक बनाए गए सदस्यों को गन्ना आपूर्ति की सुविधा मिलेगी। लगभग 1277 गन्ना ग्रामों में ग्राम स्तरीय सर्वे-सट्टा प्रदर्शन के दौरान कृषकों द्वारा उपज बढ़ोत्तरी हेतु अपना आवेदन पत्र भी 30 सितम्बर, 2026 तक निर्धारित शुल्क के साथ किये जा सकेंगे। सट्टा प्रदर्शन के समय गन्ना किसानों को उन्नत गन्ना खेती के सम्बन्ध में तकनीकी जानकारियां भी दी जायेगी। जनपद के गन्ना किसानों से अपील है कि 20 जुलाई, 2026 से प्रारम्भ हो रहे ग्रामवार सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम में पूर्ण सहभागिता करते हुए सर्वे / सट्टा के आकड़ों को 63 कालम की सूचना के माध्यम से अवश्य देख लें एवं यदि कोई आपत्ति है तो उसे अवश्य दर्ज करा दे। यदि कोई टीम निर्धारित तिथि के समय ग्राम में नहीं पंहुचती है तो मोबाईल नम्बर 7081202506, 7081202226 पर सूचित करा दें।

22 जुलाई को महिला आयोग सदस्या करेंगी जनसुनवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को 10.00 बजे सदस्य राज्य महिला आयोग अवनी सिंह द्वारा महिला जन सुनवाई लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में की जायेगी । अपरान्ह 01 बजे से ब्लॉक वजीरगंज में जागरुकता चौपाल में उ0प्र0 शासन द्वारा शिविर में उपस्थित व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिलाये जाने, योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध कराये जाने के साथ ही पात्रों का सुसंगत योजनाओं में यथासम्भव पंजीकरण भी कराये जायेगें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

नेशनल हाईवे पर कार ने ऑटो को टक्कर मारी: ऑटो पलटने से चालक सहित 6 लोग घायल, लोहिया अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के राजेपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह साढ़े दस बजे एक सड़क हादसे में ऑटो चालक सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इटावा-बरेली नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार ने आगे जा रहे ऑटो को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। सभी घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। यह घटना शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे हुई। शाहजहांपुर के अल्लाहगंज से यात्रियों को लेकर एक ऑटो फर्रुखाबाद के पांचाल घाट जा रहा था। जब ऑटो राजेपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव गढ़िया के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सड़क किनारे पलट गया, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को ऑटो से-बाहर निकाला। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए लोहिया अस्पताल पहुंचाया। घायलों में कमालगंज थाना क्षेत्र के बसाईकपुर निवासी सुरजीत (डीसीएम चालक, हुल्लापुर से पांचाल घाट आ रहे थे), महमदपुर निवासी 28 वर्षीय बृजेश (जमापुर मोबाइल ठीक कराने आ रहे थे), इसी गांव के 60 वर्षीय राम बहादुर (पांचाल घाट सामान खरीदने आ रहे थे), महमदपुर गढ़िया निवासी राजेश (नेकपुर 84 स्थित बुआ के घर जा रहे थे) और टीला मसेनी निवासी शिवानी (भाभी को हुल्लापुर छोड़कर वापस आ रही थीं) शामिल हैं। ऑटो चालक राजेपुर थाना क्षेत्र के सीडरपुर निवासी 28 वर्षीय अनुज भी घायल हुए हैं। बताया गया कि टक्कर के बाद कार भी अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगी रेलिंग से जा टकराई। सभी घायलों का लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। इमरजेंसी में अफरा तफरी का रहा माहौल- एक साथ बड़ी संख्या में लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में घायल जा पहुंचे। इससे इमरजेंसी में अफरा तफरी का माहौल हो गया। हालांकि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक और फार्मासिस्ट ने व्यवस्था को संभाल। कहीं घायलों का तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया और वार्ड में शिफ्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू हुई। मामले में सीओ अमृतपुर आलोक कुमार सिंह ने बताया हाईवे पर कार और ऑटो की टक्कर हुई थी। घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों वाहनों को पुलिस ने कब्जे में लिए है। मामले की जांच की जा रही है।

फर्रुखाबाद में प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यो की समीक्षा की: जनप्रतिनिधियों को शिलान्यास-लोकार्पण में अनिवार्य रूप से बुलाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में प्रभारी मंत्री ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई और लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट कहा कि किसी भी विकास परियोजना के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम में संबंधित जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने, पारदर्शिता बनाए रखने और जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई और अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि विकास कार्य समय पर पूरे हों और जनता को बेहतर सुविधाएँ मिलें। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि जिले का समग्र विकास तेजी से हो सके।

गंगा की कटान से फर्रुखाबाद के मड़ैया गांव दहशत में: 3 दिन में दो मकान नदी में समाए, ग्रामीण बोले- करोड़ों की परियोजना भी बेअसर

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही दिलीप की मड़ैया गांव में कटान तेज हो गई है। तीन दिन पहले दो ग्रामीणों के मकान गंगा में समा गए, जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि 7.50 करोड़ रुपये की लागत से लगाए गए बाढ़ सुरक्षा कार्य भी इस बार कटान रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं। फर्रुखाबाद जिले के सदर तहसील क्षेत्र स्थित दिलीप की मड़ैया गांव में गंगा नदी लगातार कटान कर रही है। तीन दिन पहले सुबह करीब चार बजे तेज कटान के चलते ग्रामीण जितेंद्र कुमार और रुप्पन के मकान नदी में समा गए। इसके बाद गांव के लोगों में भय का माहौल है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि कटान की रफ्तार नहीं थमी तो पूरे गांव का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि अभी बाढ़ का पानी बढ़ना शुरू ही हुआ है, लेकिन गंगा की धारा इस बार पहले से अलग दिशा में कटान कर रही है।

पिछले वर्ष गांव को बचाने के लिए प्रशासन ने करीब 7.50 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 20 परकोपाइन (बाढ़ रोधी संरचनाएं) लगवाई थीं। हालांकि इस बार नदी की धारा पश्चिम की बजाय पूर्व दिशा से कटान कर रही है, जिससे परकोपाइन सीधे पानी के दबाव में नहीं आ रहीं और उनका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

मकान गिरने की सूचना पर लेखपाल रामबरन ने गांव पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है। प्रशासन की ओर से हालात पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीण राजू ने बताया कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए बाढ़ सुरक्षा इंतजाम एक ही झटके में बेअसर साबित हो गए। उनका कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना के बावजूद गांव के लोग आज भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले दो मकान गंगा में समा चुके हैं और कटान लगातार जारी है। ग्रामीण संतोषी देवी ने बताया कि प्रशासन द्वारा किए गए इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनका मकान भी कटान की भेंट चढ़ गया। उनके अनुसार, सुबह करीब चार बजे हुई कटान में दो मकान नदी में समा गए और अब गांव के अन्य परिवार भी भय के साए में जी रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी के संभावित दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट: फर्रुखाबाद में डीएम ने लिया विभिन्न स्थलों का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / मोहम्मदाबाद फर्रुखाबाद/ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित फर्रुखाबाद दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। तैयारियों में कोई भी कमी न रहे, इसके लिए जिलाधिकारी (डीएम) समेत जिले के वरिष्ठ अधिकारी लगातार विभिन्न संभावित स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं। हाल ही में, जिलाधिकारी ने एडीएम, सीडीओ और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र खिमसेपुर का सघन दौरा किया। इस दौरान टीम ने गंगा एक्सप्रेसवे के लिंक कट के लिए प्रस्तावित स्थल का बारीकी से जायजा लिया। इसके पश्चात, अधिकारियों के इस दल ने जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए प्रस्तावित स्थान का भी निरीक्षण किया। मौके पर आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन करते हुए, संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूरी करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के संभावित आगमन के मद्देनजर, जिले में सुरक्षा, साफ-सफाई और यातायात व्यवस्थाओं को लेकर भी प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। हालांकि, अभी तक अधिकारियों द्वारा इस दौरे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन क्षेत्र में लगातार हो रहे इन प्रशासनिक निरीक्षणों से मुख्यमंत्री के जल्द आगमन की चर्चाएं काफी तेज हो गई हैं

आगरा खंड स्नातक MLC चुनाव: अम्बरीश पाल सिंह ने जारी किया संकल्प पत्र, शिक्षा और रोजगार को बनाया मुख्य मुद्दा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद / उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगामी आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर जनप्रिय प्रत्याशी अम्बरीश पाल सिंह ने शनिवार को आवास विकास स्थित होटल संस्कार में प्रेस वार्ता कर अपना चुनावी घोषणा पत्र (संकल्प पत्र) जारी किया। उन्होंने स्नातकों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों तथा शिक्षण संस्थानों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए अपने विज़न और भावी कार्ययोजना को विस्तार से रखा। प्रेस वार्ता में अम्बरीश पाल सिंह ने कहा कि आज का शिक्षित युवा डिग्रियां होने के बावजूद रोजगार और उचित मार्गदर्शन के लिए भटक रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी सहायता प्राप्त (एडेड) एवं स्ववित्तपोषित शिक्षण संस्थानों पर व्यावसायिक दरों से बिजली बिल लगाए जाने से शिक्षा व्यवस्था पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी राजनीतिक दल के बंधन से मुक्त होकर स्नातकों और शिक्षण जगत के हितों की आवाज़ बनने के उद्देश्य से चुनाव मैदान में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प सेवा, विकास और सम्मान के मूल मंत्र पर आधारित है। यदि उन्हें विधान परिषद में प्रतिनिधित्व का अवसर मिलता है तो स्नातकों के हितों की मजबूती से पैरवी करेंगे। अपने घोषणा पत्र में उन्होंने प्रत्येक स्नातक को डिजिटल स्नातक हेल्पलाइन ऐप से जोड़ने की योजना प्रस्तुत की, जिसके माध्यम से रोजगार के अवसर, सरकारी योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और विभिन्न सरकारी सुविधाओं की प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने राज्य सरकार के सहयोग से एआई डेटा एनालिसिस एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक विषयों के प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कराने का संकल्प व्यक्त किया, जहां युवाओं को नाममात्र शुल्क पर रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाएगा। अम्बरीश पाल सिंह ने यह भी घोषणा की कि एडेड एवं स्ववित्तपोषित शिक्षण संस्थानों को गृहकर, जलकर तथा व्यावसायिक विद्युत दरों से राहत दिलाने के लिए सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से आवाज़ उठाई जाएगी, ताकि शिक्षा संस्थानों पर आर्थिक बोझ कम हो और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने क्षेत्र के सभी स्नातक मतदाताओं से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति नहीं, बल्कि शिक्षित समाज के अधिकारों की रक्षा और विकास सुनिश्चित करना है। उल्लेखनीय है कि आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में आगरा, अलीगढ़, मथुरा, फिरोजाबाद, हाथरस, एटा, मैनपुरी, इटावा, कन्नौज, औरैया, कासगंज तथा फर्रुखाबाद जनपद शामिल हैं। प्रेस वार्ता में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, अधिवक्ता, समाजसेवी एवं समर्थक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोंच के नये एसडीएम अभिनव कुमार यादव नियुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन)। जिले डीएम राजेश कुमार पांडेय ने कोंच एसडीएम के पद पर नवागत पीसीएस अधिकारी अभिनव कुमार यादव को नियुक्त किया है नवागत एसडीएम पीसीएस अधिकारी अभिनव कुमार यादव जनपद सीतापुर के मिश्रिख में तैनात थे शासन द्वारा उनका स्थानांतरण जनपद जालौन में किया गया था।

खेत में मिली सिर कटी लाश, इलाके में मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ के अकराबाद थाना क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर में शनिवार सुबह चरी के खेत में एक अज्ञात युवक का सिर कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के साथ ही कटे हुए सिर की तलाश में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात युवक की हत्या कहीं और करने के बाद उसका सिर काटकर शव को चरी के खेत में फेंका गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हत्या कहां हुई और शव को यहां कैसे लाया गया। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्रों में युवक की पहचान गांव सिंकना थाना वरला का मूल निवासी बताया गया है

31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन, मत्स्य विभाग की योजनाओं का उठाएं लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ कालपी (जालौन)। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने एवं मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए इस बार ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य किया गया है। मत्स्य विभाग ने आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की है। विभाग ने इच्छुक लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है, ताकि वे शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। सहायक निदेशक मत्स्य गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि विभाग द्वारा मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोबाइल फिश वैन (आइस बॉक्स सहित) योजना, महिला एवं सामान्य मत्स्य पालक सशक्तिकरण योजना, खुले जल क्षेत्रों में मत्स्यिकी विकास हेतु नवीन तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति मत्स्य हैचरी स्थापना योजना सहित कई लाभकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से मत्स्य पालन को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने, उत्पादन बढ़ाने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा मत्स्य पालकों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखा गया है। पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सहायक निदेशक ने कहा कि सभी इच्छुक मत्स्य पालक निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन अवश्य करें। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने लाभार्थियों से आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखने तथा किसी भी जानकारी या सहायता के लिए संबंधित मत्स्य विभाग कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दी। मत्स्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर आवेदन करने वाले पात्र अभ्यर्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। इसलिए इच्छुक मत्स्य पालक 31 जुलाई से पहले अपना ऑनलाइन आवेदन पूर्ण कर लें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Protect your groceries from dampness during the monsoon season; every housewife should know these storage tips.

How to protect salt, sugar, and biscuits from dampness during the monsoon season? Always store salt, sugar, biscuits, and snacks in airtight containers during the monsoon season. Use the container with a dry spoon, keep it away from moisture, and seal it tightly immediately after opening the package. This reduces the risk of food becoming damp. The rainy season brings as much comfort and coolness as it does trouble in the kitchen. Due to increased humidity in the air, salt becomes damp, sugar begins to form lumps, biscuits and snacks lose their crispness, and spices also become damp. If not stored properly, many food items can spoil quickly. People often purchase expensive airtight containers, but even small mistakes can lead to spoilage. In fact, with proper storage and some simple kitchen hacks, you can keep your groceries and snacks fresh and crisp for a long time, even during the monsoon. If you too are troubled by wet salt, sticky sugar, or soft biscuits every year during the rainy season, these simple storage tips will be extremely useful. Let's learn smart ways to keep your kitchen dry and your groceries safe during the monsoon. Use airtight containers - Good-quality, airtight containers made of plastic or glass are best during the rainy season. After opening the packet, immediately transfer the salt, sugar, biscuits, and snacks into them to prevent moisture from entering the air. Always use a dry spoon - A wet or slightly damp spoon can add moisture to the salt, sugar, and spices. Therefore, always remove the contents with a completely dry spoon. Close biscuit and snack packets immediately - Leaving the packet open allows moisture to enter quickly, causing biscuits to become soft and the snacks to become stale. After use, close the packet with a clip or store it in an airtight container. Keep the kitchen humidity low - Maintain adequate ventilation in the kitchen. Use an exhaust fan or chimney when cooking to vent excess moisture. This will also keep storage cabinets dry. Avoid storing groceries near a gas stove or sink—steam from the gas stove and moisture around the sink can reach stored items. Therefore, it's best to store containers in a dry and cool place. Store in small portions—If you buy large quantities of snacks or biscuits, divide them into small airtight containers instead of storing them in one large container. This prevents repeated opening of the entire stock. Clean containers regularly—Sometimes moisture or food particles left in old containers can spoil new items. Therefore, wash and dry the container thoroughly before reusing it. Check your stock periodically—Don't leave groceries unattended for long periods of time. Periodically check for signs of moisture, mold, or insect infestation. Don't use items if they look spoiled or smell strange. Monsoon Kitchen Storage Tips: Use airtight containers. Always remove items with dry hands and a spoon. Do not leave the package open. Keep the kitchen well ventilated. Store away from the stove and sink. Keep the container clean and dry. Use old stock first.

Health Tips: Don't know the right time to drink milk? This mistake could diminish its benefits.

If you're drinking milk daily to stay fit but aren't reaping its benefits, this article is for you. We'll tell you the right time to drink milk. Milk is considered a complete diet because it contains calcium, protein, vitamin D, vitamin B12, potassium, and many other essential nutrients. This is why it's recommended to drink milk daily, from childhood to adulthood. Although many people drink milk regularly, they still don't reap its full benefits. A major reason for this could be the wrong timing and method of drinking milk. According to experts, the right time to drink milk depends on a person's age, health, and purpose. Some people find drinking milk in the morning more energizing, while others find it better to drink milk at night. Therefore, it's important to know when to drink milk, which people are better off drinking it in the morning, and which ones might benefit most from drinking it at night. What is the right time to drink milk? Why is drinking milk at night considered beneficial? - According to experts, drinking lukewarm milk 1 to 2 hours before bedtime can be beneficial for many people. The tryptophan and melatonin in milk can help improve sleep quality. It can also aid in muscle recovery and relaxation. Benefits of drinking milk in the morning - If you want to maintain energy throughout the day or exercise regularly, drinking milk in the morning can be a good choice. It provides the body with protein, calcium, and other essential nutrients, which can help keep you feeling full for longer. Drinking milk after exercise - Drinking milk after a workout can aid in muscle recovery. The high-quality protein and carbohydrates in milk help replenish the body's energy. Who should avoid drinking milk on an empty stomach? Some people may experience gas, acidity, bloating, or indigestion after drinking milk on an empty stomach. If this occurs, it may be better to consume milk after a light snack or meal. What should you keep in mind when drinking milk? Avoid drinking very cold milk - Avoid consuming milk with excessively salty or sour foods If you have lactose intolerance, consult a doctor Avoid adding excessive sugar Key benefits of drinking milk Helps in strengthening bones and teeth Provides high-quality protein to the body Helps in muscle recovery Replenishes calcium and vitamin B12 in the body - Helps in keeping the stomach full for a long time Important part of a balanced diet

Which is more effective for dehydration: ORS or glucose? Learn the difference.

In hot and humid weather, the body often becomes dehydrated. Today, we'll discuss whether you should drink ORS or glucose. During hot and humid weather, the body loses a large amount of water and essential electrolytes through sweat. This leads to problems like dehydration, weakness, dizziness, and fatigue. In this situation, many people immediately resort to glucose or ORS, but often fail to understand which option is more beneficial. Choosing the right option at the right time can help prevent dehydration and improve recovery. Let's explore the difference between ORS and glucose in hot and humid weather, and which is best for which situation. ORS vs. Glucose: What's the difference? What is ORS? ORS (Oral Rehydration Solution) is a balanced mixture of water, glucose, and electrolytes (sodium, potassium, etc.). Its main purpose is to replenish water and electrolyte deficiencies in the body. It is used in cases of diarrhea, vomiting, excessive sweating, or dehydration. When should you take ORS? - In case of diarrhea or vomiting, in case of excessive sweating in extreme heat, or in case of early signs of dehydration, as per doctor's advice. What is glucose? Glucose is a simple sugar that provides quick energy to the body. If you feel weak or need energy after prolonged physical exertion, glucose in limited quantities can be useful. However, it does not compensate for electrolyte deficiencies. When should you take glucose? In case of immediate energy needs after intense physical exertion, or in case of mild weakness (if there is no dehydration), which is better for dehydration? If the body has lost water and salt (electrolytes), ORS is considered more suitable than glucose. It helps restore fluid balance in the body. Is it right to consume both daily? It is not necessary to take ORS or glucose daily without need. A balanced diet and adequate water are sufficient for most people. Those with diabetes or other health problems should consult a doctor before consuming. Tips to avoid dehydration in summer: Drink plenty of water throughout the day. Drink beverages like coconut water, buttermilk, and lemonade. Avoid prolonged exposure to the sun. Wear light, cotton clothing. Eat seasonal fruits and water-rich foods.

"If you leave this film, I'll leave you"; Zendaya threatened Tom Holland; actor reveals

Tom Holland is currently in the news for his film "The Odyssey." The film hits theaters tomorrow, July 17th. Prior to this, the actor made an interesting revelation about Zendaya. "The Odyssey" was directed by Christopher Nolan and has generated immense interest among audiences. Tom Holland is a part of the film. However, when he received the offer, he was quite unsure. However, actress Zendaya threatened him that she would leave him if he turned it down. The Hollywood actor recently revealed this in a humorous manner. Zendaya had threatened him! It's worth noting that Tom Holland and the famous actress Zendaya are married. According to a report in People, actor Tom Holland recently revealed that when he was torn between his commitments to Christopher Nolan's "The Odyssey" and "Spider-Man: Brand New Day," his wife Zendaya jokingly threatened to leave him if he turned down Nolan's film. Speaking to People with co-stars Matt Damon, Anne Hathaway, and filmmaker Christopher Nolan, Tom Holland recounted a conversation he had with Zendaya when he was offered the role of Telemachus, son of Odysseus. Holland said, "Honestly, when I got home after our meeting, I sat down with 'Z' (Zendaya). I told her, 'I got offered this movie.'" Nolan laughed at Tom's remark. Recalling Zendaya's reaction, he said, "She asked, 'With whom?'" I said, 'It's a huge project.' She asked, 'Chris?' I said, 'Yeah, Chris Nolan.' At the time, 'Spider-Man: Brand New Day' was supposed to start shooting the same day as 'The Odyssey,' leaving Holland with a difficult decision. "And then there was 'Spider-Man,' which was actually supposed to start shooting the same day we were supposed to start shooting," Holland said, before explaining Zendaya's humorous reaction. He said Zendaya said, "If you don't do 'The Odyssey,' I'll leave you." Hearing this, Damon, Hathaway and Nolan burst out laughing. Nolan praised Tom Holland - Smiling, Nolan said, "Yeah. Well, thanks to him." To this, Holland replied, "Here I am." According to a report in 'People', to make this project possible, Holland had to ask Sony Pictures executive Tom Rothman to postpone the production of 'Spider-Man - Brand New Day' so that he could join Nolan's film. Holland and Zendaya are working together in 'The Odyssey'. Nolan praised Holland's commitment, saying that he has admired the actor's work for years and was eager to work with him.

Before Sonakshi and Zaheer's wedding, Salman Khan said, "After their breakup, they both came to me..."

Zaheer and Sonakshi appeared as guests on Neha Dhupia and Angad Bedi's chat show "Double Date." During the interview, they revealed what Salman Khan had said about their relationship. Actor Zaheer Iqbal recently made a fascinating revelation. He revealed that Bollywood superstar Salman Khan knew long ago that he and Sonakshi Sinha were dating. Interestingly, Zaheer and Sonakshi told Salman about this much later. At that time, Salman even warned them. Salman Khan had warned them. According to IANS, Sonakshi and Zaheer may have been hiding their relationship from the world, but Salman Khan had recognized their chemistry. Sonakshi explained that whenever Salman asked her, she would refuse. One day, Salman told them, "Look, when you two break up, you'll both come and cry to me. I love you both and I don't want to side with just one of you." Hearing this, both were shocked. From relationship to marriage: Sonakshi and Zaheer first met at a Salman Khan party. They dated for almost seven years and kept their relationship a secret from the media. In 2022, they even worked together in the film "Double XL." Finally, in June 2024, they got married in court under the Special Marriage Act at Sonakshi's home in Mumbai.

"I just want the good of the country... I'm not anti-national," Sonakshi Sinha released a video in support of Sonam Wangchuk

Sonam Wangchuk is currently on an indefinite hunger strike in protest against the Cockroach Janata Party, and his health is deteriorating. Meanwhile, many Bollywood celebrities are offering their support. Sonakshi Sinha also posted a video in support of him. Sonakshi Sinha rarely speaks out on political and social issues or expresses her opinion. However, on Thursday, she shared a video in support of Sonam Wangchuk, praising him and also questioning the government. Find out what Sonakshi Sinha said about Sonam Wangchuk's deteriorating health and indefinite hunger strike. What did Sonakshi say about Sonam Wangchuk? - Sonakshi Sinha posted a video on Instagram, saying, "I never make such statements, but now I can't hold back. Sonam Wangchuk has been on hunger strike for 18 days. He is hungry. What is he doing?" They are protesting for the future of children who they see as being doomed. They are fighting for the children who lost their lives. Sonam Wangchuk is fighting against a system that is not functioning properly.' The actress also questioned the government. Further, Sonakshi Sinha praised Sonam Wangchuk and the Cockroach Janata Party. She praised the CJP for standing up for the youth and raising its voice. She also questioned the government, "If Sonam Wangchuk dies, who will be responsible?" In the video, Sonakshi made these serious remarks about Sonam and the government: "I can't bear to see this anymore, my heart is not accepting it. Sonam Wangchuk has been fighting for the future of children for 18 days. He is fighting against a system that is not functioning properly. I couldn't bear it anymore. Whatever has to happen will happen, but I can't remain silent. Why is no one listening? Then I decided why should I remain silent, I am not anti-national." The only question is, will you speak up when this man dies? We should open our eyes, whether anyone else does or not. Fans, including Rakhi Sawant, praised Sonakshi Sinha for speaking out in support of Sonam Wangchuk. Fans also thanked Sonakshi for her courage in speaking out on this issue.